दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 23.06.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार का आयोजन

"शरीर की प्रतिरोधक क्षमता ही कोरोना महामारी का कारगर उपाय" : डॉ.मधुरेन्द्र सिंह

गोरखपुर 23 जून। वैष्विक महामारी कोविड–19 आज के 21वीं सदी में मानव स्वास्थ के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। इससे बचने एवं कारगर इलाज की खोज पूरे विष्व के लिये चुनौती बना हुआ है। वर्तमान समय में हमारे प्रतिरोधक क्षमता ही इसका कारगर उपाय है। **उक्त बातें स्वीडन के कैरोलिन्सका इन्सिटयूट के माइक्रोबायोलोजी, ट्यूमर एवं सेल बायोलोजी विभाग के वैज्ञानिक डॉ.मधुरेन्द्र सिंह** ने कही। दस साल से छोटे बच्चों को बाहर न निकलने की सलाह सरकार द्वारा दी जा रही है। उसका वास्वतविक कारण उन बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कम होना नही है। अपितु उनके द्वारा संक्रमण का अधिकाधिक प्रसार हो सकना है। **"ओ ब्लड ग्रुप"** के व्यक्तियों में संक्रमण की कम संभावना है, यह बात पूर्णतया निराधार है किन्तु महिलाओं की मृत्यु दर कम है। इसका कारण महिलाओं में **"एक्स–एक्स गुणसूत्र"** का होना है। डॉ.मधुरेन्द्र सिंह वैक्सिन और मानव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता विषय पर आज दिनांक 23 जून को दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज के रसायनषास्त्र विभाग द्वारा आयोजित **"कोविड–19 के साथ उत्तर जीविता"** विषय पर **त्रिदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय लाइव बेविनार** में बोल रहे थे।

कोरोना वायरस की आधारभूत संरचना और इसका उपाय करना पुरे विष्व के लिए चुनौती है। यह बातें उपरोक्त बेविनार के ही **द्वितीय विषय विषेषज्ञ "अमेरिका के परड्यू विष्वविद्यालय के रसायनषास्त्र विभाग की बायोकेमिस्ट्री डिवीजन में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. मोहिनी कामरा ने कहा।"**

इसी क्रम में उपरोक्त बेविनार के **तीसरे अतिथि वक्ता लखनऊ स्थित भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान में कार्यरत डॉ. अंकुर कुमार श्रीवास्तव** ने कोरोना वायरस परीक्षण की तकनीकी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आपने बताया कि कोविड–19 से संक्रमित मरीजों की पहचान हेतु तीन प्रकार की टेस्टिंग प्रक्रिया अपनायी जाती है। इनमें रियल टाइम पी.सी.आर.सबसे अच्छी प्रक्रिया है जिसमें लगभग 90 मिनट का समय लग जाता है। आपने बताया कि कोविड–19 का संक्रमण नेत्रों के माध्यम से भी होने की पुष्टि हुयी है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में षिकागो, तंजानिया, नेपाल से भी लोगो ने प्रतिभाग किया। इस बेविनार की **संयोजक डॉ.शशिप्रभा सिंह** ने प्रस्ताविकी, स्वागत व संचालन किया।

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि सामाजिक दूरी का पालन करना ही इस बीमारी से मुख्य बचाव है। बेविनार के अन्त में डॉ.प्रतिमा सिंह ने विषेषज्ञों, प्रतिभागियों और संस्था के प्रति आभार ज्ञापन किया।

बेविनार में मुख्य रूप से डॉ.राजेष सिंह, डॉ.मनीश श्रीवास्तव, डॉ.नितिश शुक्ला, डॉ.आनन्द कुमार गुप्ता, डॉ.पवन पाण्डेय, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्री बृजेश विष्वकर्मा आदि ने सहयोग किया।

कल दिनांक 24.06.2020 को प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 12.40 बेविनार के द्वितीय दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. अभय कुमार जैन,उपाध्यक्ष, जैन विद्या शोध संस्थान उ.प्र. सरकार। विषय विषेषज्ञ के रूप में डॉ.सौरभ कुमार सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद तथा श्री रवि प्रकाश पाण्डेय, पेटेण्ट अधिकारी, नई दिल्ली सम्मिलित होंगे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क